



भारत का राजपत्र The Gazette of India



असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 537]
No 537]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, दिसम्बर 7, 1978/अग्रहायण 16, 1900
NEW DELHI, THURSDAY, DECEMBER 7, 1978/AGRAHAYANA 16, 1900

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation.

वाणिज्य, नागरिक पूर्ति और सहकारिता मंत्रालय
(वाणिज्य विभाग)

बागान (ए) अनुभाग

आदेश

नई दिल्ली, 7 दिसम्बर, 1978

का. आ. 702(अ).—केंद्रीय सरकार की, चरगोला टी एस्टेट, डा. घ. रतबरी, करीमगंज सबीडवीजन, जिला कछार, असम, नामक चाय की यूनिट (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त चाय यूनिट कहा गया है) के बारे में, जो मेसर्स चंशाला टी कम्पनी लिमिटेड, पी-4, न्यू हावड़ा ब्रिज, एप्राच रोड, कलकत्ता-700001, के स्वामित्व में हैं, तथा जिसके सम्बन्ध में चाय अधिनियम, 1953 (1953 का 20) की धारा 16ख की उपधारा (1) के अधीन पूरे-पूरे एवं सर्वांगीण अन्वेषण किए जा चुके हैं, यह राय है कि,—

(क) वर्ष 1972 से 1976 तक के पांच वर्षों के दौरान उक्त चाय यूनिट की औसत उपज जिले की औसत उपज से 25 प्रतिशत कम रही है;

(ख) उक्त चाय यूनिट के स्वामियों ने कर्मकारों तथा अन्य कर्मचारियों की मजदूरी तथा भविष्य निधि दायों के संदाय में अभ्यासतः व्यक्तिक्रम किया है; और

(ग) उक्त चाय यूनिट का प्रबन्ध ऐसे ढंग से किया जा रहा है जो चाय उद्योग और लोक हित के लिए बहुत अहितकर है।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 16 घ द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केंद्रीय सरकार, टी ट्रीडिंग कारपोरेशन आफ इण्डिया लि., 225-एफ, आचार्य जगदीश चन्द्र बांस रोड, कलकत्ता-700020 को (जिसे इसमें इसके पश्चात् प्राधिकृत व्यक्ति कहा गया है) सम्पूर्ण उक्त चाय यूनिट का प्रबन्ध, निम्नलिखित निबन्धनों और शर्तों के अधीन रहते हुए, ले लेने के निमित्त प्राधिकृत करती है, अर्थात् :—

- (1) प्राधिकृत व्यक्ति, उन सभी निदेशों का अनुपालन करेगा, जो केंद्रीय सरकार समय-समय पर जारी करे;
- (2) प्राधिकृत व्यक्ति, इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पांच वर्ष की अवधि तक पद धारण करेगा;
- (3) यदि केंद्रीय सरकार आवश्यक समझे तो वह प्राधिकृत व्यक्ति की नियुक्ति पहले भी समाप्त कर सकती है।

2. यह आदेश, राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रारम्भ होने वाली पांच वर्ष की अवधि तक प्रभावी रहेगा।

[फा. सं. बी. 12012/7/76-प्लान्ट (ए)]

टी, बालकृष्णन, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES &

COOPERATION

(Department of Commerce)

Plantation (A) Section

ORDER

New Delhi, the 7th December, 1978

S.O. 702 (E).—Whereas the Central Government is of opinion in respect of the tea unit known as Chargola Tea Estate, P.O. Ratabari, Karimganj Sub-Division, District Cachar, Assam (hereinafter referred to as the said tea unit), owned by Messrs Chargola Tea Company Ltd., P-4, New Howrah Bridge, Approach Road, Calcutta-700001, in relation to which a full and complete investigation has been made under sub-section (1) of section 16 B of the Tea Act, 1953 (29 of 1953), that,—

- (a) the average yield of the said tea unit during the five years from 1972 to 1976 has been lower than the district average yield by twenty-five per cent;
- (b) the persons owning the said tea unit have habitually made default in the payment of wages and provident fund dues for workers and other employees; and

- (c) the said tea unit is being managed in a manner highly detrimental to the tea industry and to public interest.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 16D of the said Act, the Central Government hereby authorises the Tea Trading Corporation of India Ltd., 225-F, Acharya Jagdish Chandra Bose Road, Calcutta-700020 (hereinafter referred to as the authorised person) to take over the management of the whole of the said tea unit subject to the following terms and conditions, namely :—

- (i) the authorised person shall comply with all the directions issued from time to time by the Central Government;
- (ii) the authorised person shall hold office for a period of five years from the date of publication of this Order in the Official Gazette;
- (iii) the Central Government may terminate the appointment of the authorised person earlier if it considers necessary to do so.

2. This Order shall have effect for a period of five years commencing from the date of its publication in the Official Gazette.

{File No. B. 12012/7/76-Plant(A)}

T. BALAKRISHNAN, Jt. Secy.